ग. नव निश्चयवाद :

इसे सम्भाव्यवाद या आधुनिक निश्चयवाद भी कहते हैं।

* इस अवधारणा के प्रणेता आस्ट्रेलिया के ग्रिफिथ टेलर थे।
* टेलर ने इसे वैज्ञानिक निश्चयवाद भी कहा है।
* इस अवधारणा को समझने के लिए टेलर ने अपनी आस्ट्रेलिया नामक पुस्तक में बताया है कि मनुष्य और प्रकृति का सम्बन्ध एक ट्रैफिक पुलिस और राहगीर जैसा है। अगर रास्ता को बदलना है तो निश्चित तौर पर देखने की जरूरत है अर्थात प्रकृति से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं बल्कि प्रकृति को समझकर आगे बढ़ने में भलाई है। क्योंकि प्रकृति जो चाहती है सो करती है हम बचाव कार्य कर सकते हैं कि नियंत्रण नहीं जैसे — सुनामी, बाढ़, सूखा, भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाये मनुष्य को हर पल उसके सांस्कृतिक गतिविधि को चुनौती देती है। अतः दोनो का अस्तित्व है और ~~दोनों को चाहिए~~ ~~प्रकृति~~ मनुष्य को प्रकृति की भावना का कद्र करते हुए समायोजन की स्थिति में रहते हुए विकास करना चाहिए।

⇒ ग्रिफिथ टेलर ने इसे रुको और जाओ नियतिवाद भी कहा है।

⇒ स्पेट, वाट्स और सावर, बेकन आदि विद्वान इस विचार धारा से सहमत हैं और उन्होंने इस अवधारणा को और मजबूती प्रदान की है।

⇒ अतः स्पष्ट है कि मानव और पर्यावरण का अंतर्सम्बन्ध प्राचीनकाल से है आगे भी इस प्रक्रिया को जारी रखना है।

———×———

Dr. M. K. Pandey